चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड, देहरादून

(धनराशि लाख में)

आउटकम / परफॉरमेन्स बजट 2024–25

क्र0सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले		01 अप्रैल, 2023 की भौतिक स्थिति	31 मार्च, 2024 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	समय–सीमा
			राजस्व	पूंजीगत					
					निदेशन तथा प्रशासन				
1	निदेशन तथा प्रशासन	''सभी के लिए स्वास्थ्य'' विजन पूर्ण करने हेतु मानव संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, औषधि व्यवस्था एवं लोक निजी सहभागिता के द्वारा सुविधा उपलब्ध कराना।	3423.87	00	स्वीकृत मानव संसाधनः– •श्रेणी–क–1323 •श्रेणी–ख–2218 •श्रेणी–ग–9264 •श्रेणी–घ–3379 कुल योग–16184	कार्यरत मानव संसाधनः– •श्रेणी–क–1028 •श्रेणी–ख–1915 •श्रेणी–ग–6730 •श्रेणी–घ– 2471 कुल योग–12144	प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं का उचित कार्यान्वयन एवं सुदृढ प्रशासनिक नियन्त्रण तथा चिकित्सक रोगी अनुपात में सुधार	राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ एवं आसान बनाना तथा सभी के लिए स्वास्थ्य विजन को प्राप्त करना	2024–25
					अस्पताल तथा औषधालय				
2	चिकित्सालयों की स्थापना एवं लोक स्वास्थ्य	प्रदेश के आम जनमानस हेतु उचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना।	126225.63		1. उपकेन्द्र– 1898 2. प्रा0स्वा0के0 टाईप–ए– 525 3. प्रा0स्वा0के0 टाईप–बी–52 4. सामु0स्वा0के0–80 5. उपजिला चिकि0–21 6. जिला चिकित्सालय–13 7. अन्य चिकित्सा ईकाई–25	1. उपकेन्द्र– 1898 2. प्रा0स्वा0के0 टाईप–ए–525 3. प्रा0स्वा0के0 टाईप–बी–52 4. सामु0स्वा0के0–80 5. उपजिला चिकि0–21 6. जिला चिकित्सालय–13 7. अन्य चिकित्सा ईकाई–25	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	प्रदेश के समस्त नागरिकों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी। सड़क दुर्घटना से होने वाली मृत्यु में कमी आयेगी।	2024–25
					निर्माण				
3	निर्माण कार्य	जनमानस को विभिन्न सुलभ स्वास्थ्य एवं चिकित्सकीय सुविधायें उपलब्ध कराया जाना		3550.09	रक्तकोष –0 प्रा0स्वा0कें0 –04 सा0स्वा0कें0 –02 अनावासीय भवन –03 आवासीय भवन –08 उप जिला चिकित्सालय	रक्तकोष –01 प्रा0स्वा0कें0 –07 सा0स्वा0कें0 –02 अनावासीय भवन –04 आवासीय भवन –12 उपजिला चिकित्सालय–04 मानसिक चिकित्सा इकाई–02	रक्तकोष –01 प्रा0स्वा0कें0 –08 सा0स्वा0कें0 –05 अनावासीय भव –08 आवासीय भवन –11 उपजिला चिकित्सालय –02 मानसिक चिकित्सा	रक्तकोष –01 प्रा0स्वा0कें0 –08 सा0स्वा0कें0 –05 अनावासीय भव –08 आवासीय भवन –11 उपजिला	2024–25

					–05 मानसिक चिकित्सा इकाई –01 300 शैय्यायुक्त कैन्सर चिकित्सालय –01	300 शैय्यायुक्त कैन्सर चिकित्सालय –01	इकाई –01	चिकित्सालय– 02 मानसिक चिकित्सा इकाई– 01	
					सूचना संचार शिक्षा				
4	लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण योजनाएं एवं उनका प्रचार–प्रसार	"सभी के लिए स्वास्थ्य" विषयक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सूचना शिक्षा एवं संचार रणनीति का क्रियान्वयन।	85.5		विभिन्न माध्यमों यथा–रेडियो, टीवी, **Hordings, Buspanel**, प्रिन्टिंग सामग्री, **Display Board, Translites, Posters, Handbills** के माध्यम से लोक स्वास्थ्य से सम्बन्धित राष्टीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित संदेशों को प्रचारित–प्रसारित किया गया।	विभिन्न माध्यमों यथा–रेडियो, टीवी, होर्डिग्स, बस पैनल रेलवे स्टेशन, इलैक्टानिक मडिया समाचार पत्रो, प्रिन्टिग समाग्री, डिस्पले बोर्ड,पोस्टर,,हैण्डबिल, टिन प्लेट के माध्यम से लोक स्वास्थ्य से सम्बन्धित राष्टीय कार्यक्रमों से सम्बन्धित संदेशों को प्रचारित–प्रसारित किया जाएगा।	महानिदेशालय स्तर पर कार्यशील आई0ई0सी0 सैल द्वारा विभिन्न माध्यमों से प्रचार–प्रसार किया जाना।	लोक स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों से प्रदेश मे बृहद स्तर पर जागरूकता उत्पन्न होगी जिसमें आमजनमानस स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकेगें एवं स्वास्थ्य योजनाओं को प्राप्त करने के लिए मांग सृजित होगी।	2024–25
					लोक निजी सहभागिता				
5	लोक निजी सहभागिता (पी0पी0पी0)	पर्वतीय/दूर–दराज/असेवित क्षेत्रों में विशेषज्ञ/आपातकालीन एवं हृदय रोग से सम्बन्धित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना।	1816.23		02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन देहरादून) मेंः– कुल– डायलिसिस– 3251, बी0पी0एल0 मरीज–909 तथा 02 कार्डियेक केयर सेंटर एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर/ कोरोनेशन देहरादून में 1357–ओ0पी0डी0, सर्जरी–10 108 आपतकालीन सेवा के अन्तर्गत कुल 11774 लाभर्थियों को एम्बुलेंन्स सेवा प्राप्त हुयी है।	02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन देहरादून) मेंः– कुल– डायलिसिस– 39012 बी0पी0एल0 मरीज– 10908 तथा 02 कार्डियेक केयर सेंटर एल0डी0भट्ट चिकि0 काशीपुर/ कोरोनेशन देहरादून में 18000–ओ0पी0डी0, सर्जरी–200 108 आपतकालीन सेवा के अन्तर्गत कुल 116069 लाभर्थियों को एम्बुलेंन्स सेवा	02 नेफ्रो डायलिसिस सेंटरों (बेस चिकि0 हल्द्वानी एवं कोरोनेशन देहरादून) मेंः– कुल– डायलिसिस– 39012 बी0पी0एल0 मरीज– 10908 तथा 01 कार्डियेक केयर सेंटर कोरोनेशन देहरादून में 18000–ओ0पी0डी0, सर्जरी–200 108 आपतकालीन सेवा के अन्तर्गत कुल 116069 लाभर्थियों को एम्बुलेंन्स	1–राज्य में तृतीय स्तर की चिकित्सा सुविधाएं प्रदान कराना। 2– प्रदेश से बाहर जाने वाले रैफरल केसों में कमी लाना। 3– मरीजों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम करना। 4.राज्य में उच्च स्तरीय नेफ्रोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराना।	2024–25

						प्राप्त हुयी है।	सेवा प्राप्त हुयी है।		
					तीर्थ यात्रा/मेले/दैवीय आपदा				
6	तीर्थ यात्रा/मेले/दैवीय आपदा	तीर्थ यात्रियों को यात्राकाल में स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं हेतु चिकित्सा सुविधा उपलब्य कराया जाना।	181.03		24, अप्रैल, 2023 को गंगोत्री के तथा इसके पश्चात बद्रीनाथ धामों के कपाट खुले। वर्ष 2023 की चारधाम यात्रा के दौरान चारोधामों में कुल 7.6 लाख तीर्थयात्रियों की स्क्रीनिंग हुई एवं 3.8 लाख तीर्थयात्रियों को ओ0पी0डी0 में देखा गया तथा 41,000 तीर्थयात्रियों के इमरजेन्सी केस देखे गयें।	चारधाम यात्रा के कपाट माह नवम्बर, में बन्द हो जाते है। आगामी यात्रा अप्रैल, 2024 में चारोधामो के कपाट खुलेगे।	आगामी चारधाम यात्रा आदि में अस्वस्थ होने वाले तीथ यात्रियों को उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी।	आगामी चारधाम यात्रा में तीर्थ यात्रियों की संख्या में वृद्वि होगी। सम्बन्धित चिकित्सा इकाईयों में तैनात चिकित्सा कार्मिको को प्रशिक्षित किया जायेगा।	2024–25
					राज्य व्याधि निधि				
7	राज्य व्याधि सहायता निधि	राज्य के बी0पी0एल0 श्रेणी के परिवारों को चिन्हित घातक रोगों के उपचार/विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा हेतु रु0 1,50,000/– तक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।	50.00		वित्तीय वर्ष 2005–06 से 1 अप्रैल, 2023 तक की स्थिति– बी0पी0एल0 लाभार्थियों की संख्या–1045 आर्थिक सहायता की धनराशि–रु0 12,85,41,175/–	वित्तीय वर्ष 2005–06 से 1 अप्रैल, 2023 तक की स्थिति– बी0पी0एल0 लाभार्थियों की संख्या–1044 आर्थिक सहायता की धनराशि–रु0 12,85,41,175/–	राज्य व्याधि सहायता निधि योजना का अटल आयुष्मान योजना में समाहित किये जाने का निर्णय लिया गया है उक्त निर्णय का शासनादेश जारी होना है। वर्तमान में बी0पी0एल0 रोगियों का धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा एवं उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।	बी0पी0एल0 रोगियों का धनाभाव के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़ेगा एवं उनके स्वास्थ्य में सुधार होगा।	2024–25
					परिवार कल्याण				

8	परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं का संचालन	केन्द्र सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओं को सुदृढीकृत किये जाने हेतु विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जाना।	20344.06		नसबन्दी–244(पुरूष) नसबन्दी–12483(महिला) कॉपरटी–37105 ओरलपिल्स प्रयोगकर्ता–43980 निरोध प्रयोगकर्ता–55872	नसबन्दी–200(पुरूष) नसबन्दी–13000(महिला) कॉपरटी–38000 ओरलपिल्स प्रयोगकर्ता–444000 निरोध प्रयोगकर्ता–56000	परिवार कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंख्या वृद्वि पर नियन्त्रण लगाया जा सकेगा।	परिवार कल्याण कार्यक्रम के माध्यम से जनसंख्या वृद्वि पर नियन्त्रण लगाया जा सकेगा।	2024–25
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (90 प्रतिशत केन्द्रांश एवं 10 प्रतिशत राज्यांश)									
9	प्रतिरक्षण एवं पल्स पोलियो प्रतिरक्षण कार्यक्रम	2030 तक 05 वर्ष तक के बच्चों को बीमारियां से प्रतिरक्षण प्रदान कर मृत्यु दर में कमी लाना।	103816.6		BCG- 174635 Pentavalent (1+2+3)- 518026 Polio (OPV 0+1+2+3)- 667126 (fIPV 1+2+3)- 371177 Measle & Rubella (MR 1+2)-349629 TD (10+16)- 318165 DPT (Booster) – 354539 PCV (1+2+3) - 499509 Hepatitis B - 125222 Rotavirus (1+2+3) - 515149 प्रतिरक्षण कवरेज–93%	BCG- 175674 Pentavalent (1+2+3)- 465873 Polio (OPV 0+1+2+3)- 600765 (fIPV 1+2+3)- 473655 Measle & Rubella (MR 1+2)-32644 TD (10+16)- 166583 DPT (Booster) – 285186 PCV (1+2+3) - 327411 Hepatitis B - 105682 Rotavirus (1+2+3) - 465990 प्रतिरक्षण कवरेज–95%	BCG- 175674 Pentavalent (1+2+3)- 465873 Polio (OPV 0+1+2+3)- 600765 (IPV 1+2+3)- 473655 Measle & Rubella (MR 1+2)-326444 TD (10+16)- 166583 DPT (Booster) – 285186 PCV (1+2_3) - 327411 Hepatitis B - 105682 Rotavirus (1+2+3) - 465990 प्रतिरक्षण कवरेज–95%	शिशु–मृत्यु दर–17 / 1000 5 वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर–26 / 1000 प्रतिरक्षण कवरेज–9 %	2030–31

9(1)	राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम	क्षय रोगियों की पहचान, निदान एवं उपचार करना।			1–टी0बी0 नोटिफिकेशन–98 प्रतिशत 2–टी0बी0 रोगियों की सफलता दर–86 प्रतिशत	1–टी0बी0 नोटिफिकेशन–95 प्रतिशत से अधिक 2–टी0बी0 रोगियों की सफलता दर–85 प्रतिशत से अधिक	1–टी0बी0 नोटिफिकेशन–95 प्रतिशत से अधिक 2–टी0बी0 रोगियों की सफलता दर–85 प्रतिशत से अधिक	1–टी0बी0 नोटिफिकेशन–95 प्रतिशत से अधिक 2–टी0बी0 रोगियों की सफलता दर–85 प्रतिशत से अधिक	2024–25
9(2)	राष्ट्रीय कुष्ट उन्मूलन कार्यक्रम	कुष्ट रोग की व्यापकता दर प्रत्येक जनपद स्तर पर प्रति 10000 जनसंख्या पर 1 या 1 से कम करना।			नये खोजे गये रोगी–342 रोगमुक्त रोगी–325 उपचाराधीन रोगी–290 जटिल एवं रिएक्शन उपचारित रोगी–42	नये खोजे गये रोगी–344 रोगमुक्त रोगी–324 उपचाराधीन रोगी–311 जटिल एवं रिएक्शन उपचारित रोगी–35	व्यापकता दर–0.25 / 10000 ए0एन0सी0डी0आर0–<2.53 / 100000 जनसंख्या डिफारमिटी प्रतिशत–<2 महिला प्रतिशत–<35% चाइल्ड प्रतिशत–0.68% एम0बी0 रोगी–>95%	व्यापकता दर–0.25 / 10000 ए0एन0सी0डी0आर0–<2.53 / 100000 जनसंख्या डिफारमिटी प्रतिशत–<2 महिला प्रतिशत–<35% चाइल्ड प्रतिशत–0.68% एम0बी0 रोगी–>95%	2024–25
9(3)	राष्ट्रीय जीवाणु जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम	1) वार्षिक पैरासाईट इनसीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या में 1 से कम करना। 2) डेंगू की व्यापकता दर को शून्य बनाए रखना।			–मलेरिया–24 केस –जापानी इनसिफैलाईटिस–00 –डेगू–4320 केस उपचारित –राज्य का वार्षिक पैरासाईट दर–(API)- 0.0023 व्यापक प्रचार प्रसार कीटनाशक फॉगिंग, स्प्रे एवं छिड़काव	–मलेरिया–00 केस –जापानी इनसिफैलाईटिस–00 –डेगू–0 केस उपचारित –राज्य का वार्षिक पैरासाईट दर–(API)- 0.00 व्यापक प्रचार प्रसार कीटनाशक फॉगिंग, स्प्रे एवं छिड़काव	1) वार्षिक पैरासाईट इनसीडेन्स दर प्रति 1000 जनसंख्या में 1 से कम करना। 2) डेंगू की व्यापकता दर को शून्य करना।	जीवाणु जनित रोगों के बारे में व्यापक प्रचार–प्रसार करके जनमानस को जागरुक करना तथा कीटनाशक फॉगिंग एवं छिड़काव के माध्यम से जीवाणु जनित रोगों की व्यापकता दर को शुन्य करना।	2024–25
9(4)	मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम	1. मातृ–मृत्यु अनुपात में कमी लाना 2. जननी सुरक्षा योजना (JSY) के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव में वृद्धि करना			JSY के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–90561 मातृ–मृत्यु दर–103 / 100000	JSY के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–91000 मातृ–मृत्यु दर–103 / 100000	जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या–95000 मातृ–मृत्यु दर–103 / 100000	जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कुल संस्थागत प्रसव के लाभार्थियों की संख्या मे वृद्धि सम्भावित एवं मातृ–मृत्यु अनुपात में कमी सम्भावित है।	2024–25
9(5)	शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम	शिशु मृत्यु दर तथा 5 वर्ष तक के बच्चों की मृत्यु दर में कमी लाना			26 / 1000 जीवित जन्म	26 / 1000 जीवित जन्म	25 / 1000 जीवित जन्म	25 / 1000 जीवित जन्म	2030–31

9(6)	**NP NCD** **(**National Programme for Prevention and Control of Non Communicable diseases)	जीवन–शैली तथा आचरण परिर्वतन द्वारा गैर संचारी रोगो की रोकथाम, निदान तथा ईलाज के लिए स्वास्थ्य सेवाओं का विभिन्न स्तरों पर सुदृढीकरण करना।			जिला वैलनेस सेन्टर मेंः– ओ0पी0डी0– 850020 मधुमेह रोगी स्क्रीन्ड–839381 उच्च रक्तचाप रोगी स्क्रीन्ड–844876	फरवरी, 2023 तक की स्थितिः– ओ0पी0डी0–540815 मधुमेह रोग स्क्रीन्ड –379522 उच्च रक्तचाप रोगी स्क्रीन्ड –381951	गैर संचारी रोगों से ग्रसित नागरिकों को उचित परामर्श एवं सन्दर्भण की सुविधा प्रदान की जा रही है तथा आम जनमानस में गैर संचारी रोगों से बचाव हेतु जागरुकता प्रदान की जा रही है।	प्रदेश के नागरिको में गैर संचारी रोगों के प्रति जागरुकता का प्रसार होगा तथा उक्त से बचाव हेतु स्वस्थ जीवन शैली तथा आचरण अपनाने की संस्कृति का विकास होगा, जिससे नागरिक स्वस्थ्य होगे।	2024–25
9(7)	**NTCP (National Tobaco Control Programme)**	तम्बाकू सेवन को कम करना			Cigaratte and Other Tobacco Act (कोटपा), 2003 के अन्तर्गत कुल चालान– 43768 कुल एकत्रित धनराशि–रु0 31,27,440/– तम्बाकू नशा उन्मूलन केन्द्र में कुल 60920 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। कुल 3712 व्यक्तियों को निकोटेक्स चुइंगम वितरित किये गये। कुल 1350 School Awareness Programme आयोजित किये गये।	सितम्बर, 2023 तक की स्थितिः– कोटपा, 2003 के अन्तर्गत कुल चालान– 25609 कुल एकत्रित धनराशि–रु0 15,62,864/– तम्बाकू नशा उन्मूलन केन्द्र में कुल 11075 व्यक्तियों को परामर्श दिया गया। कुल 1264 व्यक्तियों को निकोटेक्स चुइंगम वितरित किये गये।	कोटपा, 2003 के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ–साथ तम्बाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरुकता प्रदान की जायेगी।	तम्बाकू के सेवन के दुष्प्रभावों की जानकारी प्राप्त होने से तम्बाकू सेवन पर अंकुश लगाया जा सकेगा, जिससे तम्बाकू से होने वाली गम्भीर बीमारियों जैसे कैंसर के खतरे को कम किया जा सकेगा।	2024–25
9(8)	**NPPCD**	चोट अथवा बीमारी के कारण श्रवण ह्रास की रोकथाम।बीमारी की शीघ्र पहचान, निदान व उपचार।	.....	.....	बहरेपन का परीक्षण–9382 व्यक्ति बधिरता हेतु सर्जरी–176 व्यक्ति	बहरेपन का परीक्षण–9382 व्यक्ति बधिरता हेतु सर्जरी– यक्ति	चोट अथवा बीमारी के कारण श्रावण ह्रास से ग्रसित सभी वर्ग के व्यक्तियों को पुनर्वास की सुविधा प्रदान की जा रही है।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक।	2024–25

9(9)	**NPHCE (National Program for Health Care of Elderly)**	प्रारम्भिक स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को सुगमता पूर्वक उनकी समस्याओं का निदान, उनकी रोकथाम तथा पुर्नवास सेवाएं प्रदान करना।			राज्य के अन्तर्गत 13 जनपदोंमें 10 बेड के Geriatic ward की स्थापना की गयी है। Geriatic क्लीनिक में 123214 वरिष्ठ नागरिकों को ओ0पी0डी0 तथा 14703 वृद्ध नागरिकों को आई0पी0डी0 की सेवायें प्रदान की गयी हैं।	सितम्बर, 2023 तक की स्थितिः– Geriatic क्लीनिक में 75436 वरिष्ठ नागरिकों को ओ0पी0डी0 तथा 11273 वृद्ध नागरिकों को आई0पी0डी0 की सेवायें प्रदान की गयी हैं।	राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाए उपलब्ध करायी जायेंगी।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक होगा।	2024–25
9(10)	**NMHP**	मानसिक रोग से ग्रसित रोगियों की पहचान कर उपचार प्रदान करना।			13498 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी।	दिसम्बर, 2023 तक कुल 9328 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।	मानसिक रोगियों को उचित उपचार प्रदान किया जा रहा हे।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक	2024–25
9(11)	**NOHP (National Oral Health Program)**	ओरल हैल्थ की सेवाओं का सुदृणीकरण।			29502 रोगियों को ओ0पी0डी0 सेवाएं प्रदान की गयी।	सितम्बर, 2023 तक की स्थितिः– जनपद स्तर पर कुल 37128 रोगियों को दंत एवं मुख से संबंधित रोगों को उपचार प्रदान किया गया ।	प्रदेश के नागरिकों को दन्त एवं मुख से सम्बन्धित रोगों के सम्बन्ध में जागरुकता प्राप्त होगी तथा ओरल रोगों का उपचार प्राप्त होगा। 10 डेंटल यूनिट का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा।	विभाग के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त करने में सहायक।	2024–25
9(12)	**NPCB (National Program for Control of Blindness)**	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत लाना			मोतिया बिन्द के ऑपरेशन–72994 स्कूली छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण–5385 वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–5150	मोतिया बिन्द के ऑपरेशन–42799 स्कूली छात्रों को निःशुल्क चश्मा वितरण– 3543 वृद्ध नागरिकों को निःशुल्क चश्मा वितरण–3490	नेत्र से सम्बन्धित रोगों को उपचार प्रदान कर राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता दर को 0.3 प्रतिशत करना।	भारत वर्ष में दृष्टिविहीनता की व्यापकता को 0.3 प्रतिशत लाना।	2024–25
9(13)	प्रधान मन्त्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम **(PMNDP)**	प्रदेश में संचालित कुल 19 डायलिसिस केंद्रों ; बेस अस्पताल, अल्मोडा, जिला अस्पताल, बागेश्वर, ट्रामा सेंटर कर्णप्रयाग, चमोली, जिला अस्पताल, चंपावत, दून चिकित्सालय, देहरादून,कोरोनेशन अस्पताल, देहरादून, मेला अस्पताल, हरिद्वार, संयुक्त अस्पताल,			दिं0 01 अप्रैल, 2023 तक कुल 820 रोगियों के 78773 डायलिसिस सेशन किये गये।	वित्तीय वर्ष 2023–24 में माह नवम्बर तक कुल 942 रोगियों को कुल 60301 डायलिसिस सेशनस की सुविधा प्रदान की गयी।	प्रदेश के नागरिकों को न्यूनतम दरों पर डायलिसिस सेवा प्राप्त होगी।	प्रदेश के नागरिकों को न्यूनतम दरों पर डायलिसिस सेवा प्राप्त होगी।	2024–25

		रुडकी, हरिद्वार, बेस अस्पताल, हल्द्वानी, नैनीताल, जी0बी0पंत अस्पताल, नैनीताल, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज, पौडी गढवाल, बेस अस्पताल, काटद्वार, पौडी गढवाल, जिला अस्पताल, पिथौरागढ, जिला अस्पताल, रुद्रप्रयाग, उप जिला अस्पताल, नरेंद्रनगर, टिहरी गढवाल, जिला अस्पताल, रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उप जिला अस्पताल, खटीमा, उधम सिंह नगर, जिला अस्पताल, उत्तरकाशी, जिला अस्पताल, पौडी गढवाल में निःशुल्क व न्यूनतम दरों में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराना।							
9(14)	टेलीरेडियोलॉजी	टेलीरेडियोलॉजी के माध्यम से उन्हें यह सेवायें निकटतम चिन्हित चिकित्सा इकाई पर ही उपलब्ध हो जाती हैं, फलस्वरूप लाभार्थी के धन एवं समय की बचत होती है और उसके उपचार होने वाले व्यय (out of pocket expenses) अर्थात स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त करने पर लगने वाली धनराशि में निश्चित ही कमी आती हैं। इन सेवाओं के अन्तर्गत सेवा प्रदाता द्वारा रेडियोलॉजिस्ट का परामर्श उनके द्वारा स्थापित TRH (Tele-radiology Hub) के माध्यम से जुड़े हुये TRC (Tele-radiology Center) को प्रदान की जाती हैं।	-	-	एक्स–रे– 76090 सी0टी0 स्कैन– 11674 एम0आर0आई0–318	एक्स–रे– 150000 सी0टी0 स्कैन– 17800 एम0आर0आई0–700	टेली रेडियोलॉजी सेवाओं के माध्यम से मरीजों को उल्लिखित सेवाओं को प्राप्त करने हेतु लम्बी यात्रा करके विशेषज्ञ चिकित्सालयों अथवा निजी संस्थानों पर नही आना पड़ता है। टेलीरेडियोलॉजी के माध्यम से उन्हें यह सेवायें निकटतम चिन्हित चिकित्सा इकाई पर ही उपलब्ध हो जाती हैं, फलस्वरूप लाभार्थी के धन एवं समय की बचत होती है और उसके उपचार होने वाले व्यय अर्थात स्वास्थ्य सेवाओं को प्राप्त करने पर लगने वाली धनराशि में निश्चित ही कमी आती हैं।	राज्य की कुल 35 चिन्हित चिकित्सा इकाई में टेलीरेडियोलॉजी सेवा उपलब्ध कराया जाना।	2024–25

9(15)	हिमोग्लोबीनोपैथी कार्यक्रम	रक्तविकार/ हिमोग्लोबीनोपैथी हेतु प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर में रोकथाम, नियत्रंण एवं जागरूकता अभियान संचालित करना।			पांच जनपदों (देहरादून/हरिद्वार/अल्मोड़ा /ऊधमसिंह नगर/नैनीताल) मेंस्थित डी0आई0सी0 केन्द्रों में कुल 39241 छात्र/छात्राओं की थैलेसीमिया जांच करवाई गयी तथा 330 थैलेसीमियारोग से ग्रसित बीमार बच्चों को निशुल्क रक्त संचरण करवाया गया।	पांच जनपदों (देहरादून/हरिद्वार/अल्मोड़ा/ ऊधमसिंह नगर/ नैनीताल) मे स्थित डी0आई0सी0 केन्द्रों में कुल 53548 छात्र/छात्राओं की थैलेसीमिया जांच करवाई गयी तथा 330 थैलेसीमियारोग से ग्रसित बीमार बच्चों को निशुल्क रक्त संचरण करवाया गया।	पांच जनपदों (देहरादून /हरिद्वार/अल्मोड़ा/ ऊधमसिंह नगर/ नैनीताल) मे स्थित डी0आई0सी0 केन्द्रों में कुल 88888 छात्र/छात्राओं की थैलेसीमिया जांच तथा 330 थैलेसीमिया रोग से ग्रसित बीमार बच्चों को निशुल्क रक्तसंचरण करवाया जाना प्रस्तावित है।	प्रदेश में रक्तविकार/ हीमोग्लोबीनोपैथी/ थैलेसीमिया के बारे में जनमानस को जागरुक कर रोकथाम किया जा सके।	2024–25
9(16)	इन्टेग्रेटिड डीजिज सर्विलेन्स प्रोग्राम	• सिन्ड्रोमिक रिर्पोटिग (S Form), प्रिसम्पटिव रिपोर्टिंग (P Form), लैब कन्फर्म्ड रिपोर्टिंग (L Form) रिपोर्टिंग के अन्तर्गत सभी रिपोर्टिंग को 60 प्रतिशत (Daily reporting) बनाये रखना । • सभी जनपदों में पब्लिक हेल्थ लैब में एपिडेमिक संवेदनशील रोगों की जाच की जानी है।			S form- 52.% P form- 62% L form- 59% (Daily reporting)	S form- 62% P form- 64% L form- 60% (Daily reporting)	समस्त चिन्हित रिपोर्टिंग यूनिटों का अनुश्रवण सभी जनपदों में पब्लिक हेल्थ लैब में एपिडेमिक संवेदनशील रोगों की जाच की जाती है।	रिपोर्टिंग के अन्तर्गत सभी रिपोर्टिंग को 65 प्रतिशत (Daily reporting) से अधिक बनाये रखना सभी जनपदों में पब्लिक हेल्थ लैब में एपिडेमिक संवेदनशील रोगों की जाच की जानी है।	2024–25
एड्स नियन्त्रण समिति									
10	राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम	उत्तराखण्ड राज्य को एच. आई.वी. के नये संक्रमण से वर्ष 2030 तक शून्य करना एवं एड्स से ग्रसित व्यक्तियों को चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराना।	100.00	00	एड्स रोगी–923 उपचाराधीन रोगी–923	एड्स रोगी–1200 उपचाराधीन रोगी–1200	नये रोगियों की संख्या–0 उपचाराधीन रोगी–100 प्रतिशत	नये रोगियों की संख्या–0 उपचाराधीन रोगी–100 प्रतिशत	2030–31
राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण									
11	अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना	प्रदेश के चिन्हित परिवारों को चिकित्सा लाभा उपलब्ध कराना।	50000.00	00	आयुष्मान कार्ड–4976132 लाभार्थियां की संख्या–681156 कुल व्यय धनराशि– ₹ 461 करोड़	गोल्डन कार्ड–7476132 लाभार्थियां की संख्या–939844 कुल व्यय धनराशि– ₹ 600 करोड़	प्रदेश के समस्त चिन्हित परिवारो को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।	योजना के मूल लक्ष्य ''सबके लिए स्वास्थ्य'' को प्राप्त किया जा सकेगा।	2024–25
हेल्थ सिस्टम									

12	हेल्थ सिस्टम डेवलपमेन्ट प्रोजेक्ट	विशेष रूप से राज्य के पहाडी जिलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओ तक पहुच में सुधार करना और उत्तराखण्ड़ के निवासियों के लिए स्वास्थ्य वित्तीय जोखिम संरक्षण का विस्तार करना।.	10574.01		OPD - 368356 IPD- 10856 USG- 21236 CT SCAN- 948 X RAY- 52541 Major Surgeries - 1624 Normal Delivery - 1915 C Section - 480	OPD - 410000 IPD- 13000 USG- 25000 CT SCAN- 1500 X RAY- 56000 Major Surgeries - 2000 Normal Delivery - 2500 C Section - 600	विशेष रूप से राज्य के पहाडी जिलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओ तक पहुच में सुधार करना और उत्तराखण्ड़ के निवासियों के लिए स्वास्थ्य वित्तीय जोखिम संरक्षण का विस्तार करना।	विशेष रूप से राज्य के पहाडी जिलों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओ तक पहुच में सुधार करना और उत्तराखण्ड़ के निवासियों के लिए स्वास्थ्य वित्तीय जोखिम संरक्षण का विस्तार करना।	2024–25

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग उत्तराखण्ड, देहरादून					
सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप					
क्र0सं0	**SDG** संकेतक	01 अप्रैल, 2023 की भौतिक स्थिति	31 मार्च 2024 की सम्भावित भौतिक स्थिति	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2024–25	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2024–25
1	एनेमिक गर्भवती महिलाओं का प्रतिशत	64% (HMIS)	62% (HMIS)	62% (HMIS)	62% (HMIS)
2	राज्य में संस्थागत प्रसव	92% (HMIS)	93% (HMIS)	95% (HMIS)	95% (HMIS)
3	0 से 12 महीने के बच्चे जिनका पूर्ण प्रतिरक्षण हो चुका है	93%	95%	95%	95%
4	एम.एम.आर (M.M.R)	103/100000	103/100000	103/100000	103/100000
5	एन.एम.आर. (N.M.R)	17 (SRS-2020p)	17 (SRS-2020)	12 by 2030	12
6	यू.5एम.आर. (U.5M.R)	26 (SRS-2020)	26 (SRS-2020)	25 by 2030	25
7	राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम (Annual Notification of Tuderculosis Incidence Per 1 Lakh Population)	230 प्रति लाख	220 प्रति लाख से अधिक	220 प्रति लाख से अधिक	220 प्रति लाख से अधिक
8	मलेरिया	24 मलेरिया रोगी	0 मलेरिया रोगी	0 by 2030	0 by 2030
9	0 से 5 वर्ष तक के बच्चें जिनकी स्क्रीनिंग 4Ds के अन्तर्गत करी गई। (RSBK)	77 % (MPR)	90 % (MPR)	90 % (MPR)	90 % (MPR)
10	Percentage Of Currently Married Women Who Use Any Morden Family Planning Method	68.32%(HMIS)	61%	70%	73%

राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी के लिए अस्पतालों को आई0पी0एच0एस0 (**Indian Public Health Standard**) मानकों के अनुसार विकसित किया जा रहा हैं। इस व्यवस्था के लागू होने से दुर्गम एवं अति दुर्गम स्थानों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ, चिकित्सा उपकरण तथा औषधियों की आपूर्ति में समानता हो जायेगी। राज्य में उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कार्य किये गये हैं, जिसमें देहरादून के समीप हर्रावाला में मल्टीस्पेसिलिटी अस्पताल एवं आधुनिक कैंसर चिकित्सा इकाई का निर्माण उल्लेखनीय हैं।

सरकार द्वारा अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी को दूर करने का महत्वपूर्ण प्रयास किया हैं, जिसके तहत वर्तमान में चिकित्सकों के कुल 2806 स्वीकृत पदों के सापेक्ष 2106 चिकित्सक विभिन्न चिकित्सा इकाईयों में तैनात कर दिये गये हैं। जिसमें 2106 नियमित चिकित्सक, 81संविदा चिकित्सक एवं 655 बांडेड/संविदा चिकित्सक तैनात हैं।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (**PMNDP**) के अन्तर्गत प्रदेश में संचालित 19 डायलिसिस केन्द्रों के माध्यम से राज्य के रोगियों को निःशुल्क व न्यूनतम दरों में डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जा रही हैं।

लोक निजी सहभागिता (पी0पी0पी0) के अन्तर्गत राज्य के 02 कार्डियक केयर सेंन्टर कोरोनेशन चिकित्सालय देहरादून एवं एल0डी0भट्ट चिकित्सालय काशीपुर(ऊधमसिंह नगर) में राज्य के रोगियों को चिकित्सकीय सेवा प्रदान की जा रही हैं।

राज्य के असेवित क्षेत्रों में विशेषज्ञों की सेवाएं प्रदान किये जाने हेतु सरकार द्वारा सकारात्मक पहल की गयी हैं, जिसके तहत राज्य के चिन्हित जनपदों के जिला चिकित्सालयों में विश्व बैंक सहायतित हैल्थ सिस्टम डेवलपमेंन्ट परियोजना के अन्तर्गत क्लस्टर एप्रोच (**Cluster Approach**) के तहत विशेषज्ञ चिकित्सा उपचार सेवायें प्रदान की जा रही हैं।